पाठ ७ टिल्लू जी

कविता का सारांश

टिल्लू जी स्कूल गए, लेकिन उन्हें पता चला कि वे अपना बस्ता घर पर भूल गए हैं। वे डरे हुए थे कि उन्हें स्कूल में डांट पड़ेगी। लेकिन जैसे ही वे स्कूल पहुंचे, उन्होंने देखा कि स्कूल के गेट पर छुट्टी का नोटिस चिपका हुआ है। टिल्लू जी बहुत खुश हुए और अपने घर वापस चले गए। घर पर उन्होंने अपनी माँ को गले लगा लिया।

इस पाठ से यह सीख मिलती है कि कभी-कभी गलतियाँ हो जाती हैं, लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि हम उनसे सीखें और आगे बढ़ें। टिल्लू जी की गलती से उन्हें स्कूल जाना नहीं पड़ा, लेकिन उन्होंने अपनी गलती से सीख लिया कि बस्ता घर पर न छोड़ना चाहिए।

शब्दार्थ:

स्कूल (School) - पाठशाला, विद्यालय

बस्ता (School bag) - पुस्तक आदि रखने का कपड़े का चौकोर टुकड़ा, बेठन

रस्ते (Road) - पथ, राह, मार्ग

गेट (Gate) - फाटक

नोटिस (Notice) - सूचना, विज्ञापन

ख़ुशी (Happiness) - आनंद, हर्ष, उल्लास, प्रसन्न

बाँहें (Arms) - भुजा, बाहु

प्रश्न-अभ्यास

पढ़िए, समझिए और मिलाइए

मित्रों/सहेलियों को देखकर

शिक्षक को देखकर

मैं खुश होता/होती हूँ

माँ को देखकर

..... को देखकर

..... को देखकर

उत्तर-

(क) सहेलियों को देखकर मैं खुश होती हूँ ।

मित्रों को देखकर मैं खुश होता हूँ।

(ख) शिक्षक को देखकर मैं खुश होती हूँ ।

शिक्षक को देखकर मैं खुश होता हूँ।

(ग) माँ को देखकर मैं खुश होती हूँ ।
माँ को देखकर मैं खुश होता हूँ।

(घ) मौसी को देखकर मैं खुश होती हूँ ।

मामा को देखकर मैं खुश होता हूँ।

(ड़) गुड़ियाँ को देखकर मैं खुश होती हूँ ।

प्लेन को देखकर मैं खुश होता हूँ।

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

शब्दों का खेल

पढ़िए, समझिए और लिखिए।

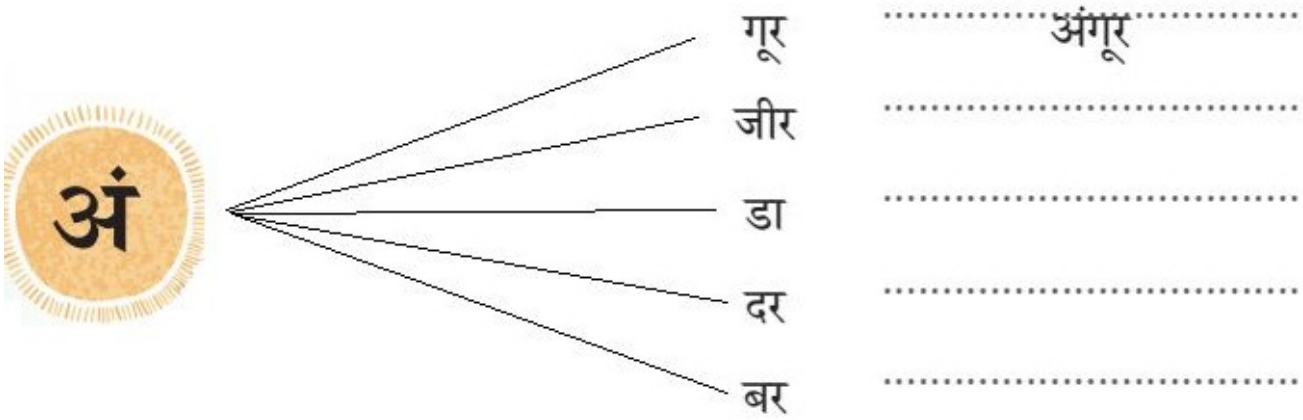

उत्तर:- अंगूर, अंजीर, अंडा, अंदर, अंबर।